‘महादेवी वर्मा के साहित्य में मानवीय संवेदना’

व्याख्यान कार्यक्रम : दिनांक 21 सितम्बर, 2022

कार्यक्रम प्रतिवेदन

आयोजक : मानविकी विद्याशाखा एवं महिला अध्ययन केन्द्र,

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

कार्यक्रम स्थल : लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार, सरस्वती परिसर,

उ.प्र.रा.ट. मुक्त वि.वि., सेक्टर–एफ, शान्तिपुरम, फाफामऊ, प्रयागराज – 211021

अनुक्रम

बैनर

कार्यक्रम रूपरेखा

कार्यक्रम प्रतिवेदन

समाचार वीथिका

परिशिष्ट

- कार्यक्रम सूचना
- उपस्थिति

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

व्याख्यान कार्यक्रम

दिनांक- 21 सितम्बर, 2022 दिन- बुधवार

महादेवी वर्मा के साहित्य में मानवीय संवेदना

मुख्य वक्ता- प्रोफेसर सरीज सिंह
अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, सी०एम०पी०पी० कालेज
प्रयागराज

अध्यक्षता- प्रोफेसर सीमा सिंह
मा० कुलपति, उ०प्र० राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय
प्रयागराज

आयोजक- मानविकी विद्याशाखा, उ. प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

संयोजक
प्रो० सत्यपाल तिवारी
निदेशक, मानविकी विद्याशाखा

आयोजन सचिव
प्रो० रुचि बाजपेई
आचार्य हिन्दी, मानविकी विद्याशाखा

उ.प्र.राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

व्याख्यान कार्यक्रम

'महादेवी वर्मा के साहित्य में मानवीय संवेदना'

दिनांक : 21 सितम्बर, 2022 समय : अपराह्न 03:00 बजे

दीप प्रज्ज्वलन	–	अतिथियों द्वारा
माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण	–	
अतिथियों का स्वागत	–	पुष्पगुच्छ द्वारा
वाचिक स्वागत तथा अतिथि–परिचय	–	प्रो. सत्यपाल तिवारी निदेशक, मानविकी विद्याशाखा (संयोजक)
अतिथियों का अलंकरण	–	
मुख्य वक्ता द्वारा उद्‌बोधन	–	डॉ. सरोज सिंह अध्यक्ष, हिन्दी विभाग सी.एम.पी. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, प्रयागराज
अध्यक्षीय उद्‌बोधन	–	माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह
धन्यवाद ज्ञापन	–	डॉ. सतीश चन्द्र जैसल असि. प्रोफेसर, पत्रकारिता एवं जनसंचार
राष्ट्रगान	–	सामूहिक
संचालन	–	प्रो. रुचि बाजपेई आचार्य हिन्दी, मानविकी विद्याशाखा (आयोजन सचिव)

कार्यक्रम स्थल – तिलक शास्त्रार्थ सभागार, सरस्वती परिसर
उ.प्र.राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

कार्यक्रम प्रतिवेदन

उ0 प्र0 राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की मानविकी विद्याशाखा के तत्वावधान में दिनांक 21 सितम्बर, 2022 को अपराह्न 3:00 बजे **'महादेवी वर्मा के साहित्य में मानवीय संवेदना'** विषय पर मुख्य वक्ता **प्रो0 सरोज सिंह**, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, सी0एम0पी0 स्नातकोत्तर महाविद्यालय, प्रयागराज के व्याख्यान का आयोजन तिलक शास्त्रार्थ सभागार में किया गया। कार्यक्रम के **संयोजक** मानविकी विद्याशाखा के निदेशक **डॉ0 सत्यपाल तिवारी** रहे और **अध्यक्षता डॉ0 ओमजी गुप्ता**, निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा ने की। आयोजन सचिव **प्रो0 रुचि बाजपेई**, आचार्य हिन्दी एवं **समन्वयक, महिला अध्ययन केन्द्र** ने कार्यक्रम का संचालन किया।

इस व्याख्यान कार्यक्रम का शुभारम्भ परम्परागत रीति से ज्ञानदीपक के प्रज्जवलन तथा वाग्देवी माँ सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्पार्पण के द्वारा हुआ। इसके बाद मंचासीन अतिथियों का शॉल एवं हरित पादप द्वारा स्वागत व सम्मान किया गया। तत्पश्चात् कार्यक्रम के संयोजक डॉ0 सत्यपाल तिवारी द्वारा अतिथियों का परिचय देते हुए उनका वाचिक स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया।

मुख्य वक्ता **प्रो0 सरोज** सिंह ने छायावादी हिन्दी कविता के चार आधार स्तम्भों में से एक और अप्रतिम गद्यकार महादेवी वर्मा के साहित्य में मानवीय संवेदना की अनेकायामिता का सुन्दर और सारगर्भित विवेचन प्रस्तुत किया। साथ ही उनके साहित्य में व्यक्त संवेदनाओं की सामाजिक उपयोगिता और सराकारों पर भी व्यापक ढंग से प्रकाश डालते हुए साहित्यिक उद्धरणों द्वारा अपनी बात को स्पष्ट किया। प्रो0 सरोज सिंह ने कहा कि संवेदनशील व्यक्ति ही मनुष्य कहलाने का अधिकारो है। साहित्यकार स्वभावतः संवेदनशील होता है। वह अपनी कृतियों में अभिव्यक्त मानवीय संवेदनाओं के माध्यम से समाज में बड़े–बड़े परिवर्तन करने की क्षमता रखता है। महादेवी वर्मा के बारे में उन्होंने बताया कि करुणा और वेदना की कवयित्री होने के साथ–साथ गद्य में भी उनका कार्य उल्लेखनीय है। स्त्री होने के नाते स्त्री सूचक संवेदनाएँ व्यक्त करना सरल है, जिससे कि पुरुष वंचित रह जाते है। प्रो0 सरोज सिंह ने अपने वक्तव्य में महादेवी वर्मा के प्रखर तथा ओजस्वी गद्य लेखन के माध्यम से अभिव्यक्त एक सशक्त भारतीय नारी के स्वरूप को रेखांकित किया और बताया कि किस तरह महादेवी जी 'अतीत के चलचित्र', 'मेरा परिवार' आदि कृतियों में जीवन और जगत का सूक्ष्म अवलोकन करती हैं। गिल्लू, सोना हिरनी आदि पर लिखे गए उनके रेखाचित्रों का उदाहरण देते हुए प्रो0 सिंह ने विवेच्य कृतिकार के साहित्य में निहित गहन संवेदनशीलता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि महादेवी वर्मा ने दलितों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए उनके अभावग्रस्त जीवन का समानुभूतिपूर्ण

चित्रण किया है। 'शृंखला की कड़ियाँ' उनकी नारी जीवन और उसको संवेदनाओं पर लिखी गई एक सशक्त वैचारिक कृति ह। आज हम स्त्री विमर्श के संबंध में प्रभा खेतान की 'स्त्री उपेक्षिता' तथा अन्य लेखिकाओं की बहुत–सी किताबों का उल्लेख करते हैं। लेकिन इन सबसे बहुत पहले महादेवी ने अपनी इस रचना द्वारा सहज मानवीय दृष्टिकोण से भारतीय स्त्री के जीवनगत वैषम्य को सामने रखा और इसक उदाहरण स्वरूप तरह–तरह की कठिन परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए उनसे जूझते नारी–जीवन के सन्दर्भ में अपनी वैचारिक भूमिका निभाई, परिवर्तनकामिता और विकासवादी दृष्टिकोण को समक्ष रखने का प्रयास किया। मानवीयता महादेवी के साहित्य में कूट–कूटकर भरी है। गद्य में व सशक्त भारतीय स्त्री का प्रतिनिधि करती हैं, तो वहां उनके काव्य में सजल वेदना के दर्शन होते हैं। संवेदनाओं के इसी विलक्षण संयोजन के कारण उन्हें 'आधुनिक मीरा' कहा जाता है। मुख्य वक्ता के उत्कृष्ट उद्‌बोधन से समारोह गरिमापूर्ण ढंग से सफलता की ओर अग्रसर हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा के निदेशक (एवं CIQA के पूर्व निदेशक) **डॉ0 ओमजी गुप्ता** ने अपने उद्‌बोधन में प्रयागराज के दारागंज के निवासी होने क कारण विभिन्न साहित्यकारों श्रीनारायण चतुर्वेदी, जगदीश गुप्त, विनोद रस्तोगी आदि क निकट सान्निध्य में रहने की अपनी सौभाग्यपूर्ण स्मृतियों को साझा किया कि इन सभी साहित्यकारों से उन्हें छायावादी कवि निराला जी के जीवन के बारे में बहुत कुछ सुनने और जानने का मौका मिला। यथा – डॉ0 गुप्ता ने बताया कि कवयित्री महादेवी वर्मा का अपने समकालीन कवि निराला से बहन–भाई का अनोखा संबंध था। निराला जी रक्षाबन्धन के दिन महादेवी वर्मा से राखी बँधवाने जरूर जाते थे और उन्हें भेंट देने के भी पैसे और रिक्शे आदि का खर्च उनसे लेते थे और महादेवी जी उन्हें सहर्ष पैसे दिया करती थीं। यह एक अनोखा रिश्ता था। निराला जी तो स्वभाव से ही फक्कड़ थे, कभी किसी रिक्शे पर बैठे तो बिना भाड़ा दिए ही उतर कर चले गए। कभी रिक्शे से उतरते हुए जितने पैसे जेब में हुए सब दे दिए। उनके स्वभाव से दारागंज के लोग परिचित थे, कोई कुछ बोलता नहीं था। अध्यक्ष महोदय ने महादवी वर्मा के साहित्य के संदर्भ में भी अपने विचार व्यक्त किए। उनका कहना है कि महादेवी वर्मा सामान्य जनमानस में प्रायः वेदना की कवयित्री के रूप में अधिक विख्यात हैं और उनके उस रूप में उनकी मानवीय संवेदना के दर्शन होते हैं। 'मैं नीर भरी दुःख की बदली' तथा इसी प्रकार के अन्य अनेक गीतों के माध्यम से महादेवी जी ने अपने करुणापरक जीवन–दर्शन, प्रेम और सौन्दर्य भावना आदि की अत्यन्त सुन्दर अभिव्यक्ति की है। निराला जी ने महादेवी वर्मा को हिन्दी के विशाल मन्दिर की सरस्वती कहा है। इस प्रकार विवेच्य साहित्यकार के समकालीन जीवन की झलकियों स हमें सहज रूप से जोड़ते हुए अध्यक्ष महोदय ने अपनी साहित्यिक रुचि का परिचय दिया। उनके आशीर्वचन से हम सभी गौरवान्वित हुए।

कार्यक्रम के अंतिम चरण में धन्यवाद ज्ञापन का कार्य पत्रकारिता एवं जनसंचार के सहायक आचार्य (एवं विशेष कार्याधिकारी, मा0 कुलपति) डॉ0 सतीश चन्द्र जैसल ने किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस व्याख्यान में प्रो0 सन्तोषा कुमार, प्रो0 विनोद कुमार गुप्त, डॉ0 आनन्दानन्द त्रिपाठी, डॉ0 साधना श्रीवास्तव, डॉ0 चन्द्रकान्त कुमार सिंह, डॉ0 स्मिता अग्रवाल, डॉ0 अतुल कुमार मिश्र, डॉ0 अब्दुल रहमान, डॉ0 शिवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री राजेश गौतम, डॉ0 अनिल कुमार यादव, डॉ0 दीप्ति श्रीवास्तव आदि प्राध्यापकगण तथा हिन्दी विषय की शोध छात्राएँ रुचि पाण्डेय तथा ज्योति गुप्ता भी उपस्थित रहीं। महिला अध्ययन केन्द्र के समन्वयकों एवं सदस्यों की कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता रही।

प्रो0 रुचि बाजपेई
आयोजन सचिव

समाचार वीथिका 21 सितम्बर 2022

वॉइस ऑफ इलाहाबाद

महादेवी वर्मा के साहित्य में मानवीय संवेदना पर व्याख्यान

महादेवी के काव्य में सजल वेदना का दर्शनः प्रो सरोज सिंह

तालमेल एक्सप्रेस

सजल वेदना है महादेवी के काव्य में-सरोज सिंह

– महादेवी वर्मा के साहित्य में मानवीय संवेदना पर व्याख्यान का आयोजन

हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

महादेवी के काव्य में है सजल वेदना : प्रो. सरोज सिंह

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में बुधवार को महादेवी वर्मा के साहित्य में मानवीय संवेदना विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता सीएमपी पीजी कॉलेज में हिंदी विभाग की अध्यक्ष प्रो. सरोज सिंह ने कहा कि महादेवी वर्मा करुणा और वेदना की कवियत्री हैं। मानवीयता उनके साहित्य में कूट-कूट कर भरी है। गद्य में वह सशक्त भारतीय स्त्री का प्रतिनिधित्व करती हैं तो वहीं उनके काव्य में सजल वेदना का दर्शन होता है। वह अपनी रचनाओं के माध्यम से वंचितों को न्याय दिलाने की कोशिश करती हैं। अध्यक्षता प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा के निदेशक प्रो. ओमजी गुप्ता ने किया। स्वागत मानविकी विद्या शाखा के निदेशक एवं व्याख्यान के संयोजक प्रो. सत्यपाल तिवारी व संचालन आयोजन सचिव प्रो. रुचि बाजपेई ने किया तथा डॉ. सतीश चंद्र जैसल ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

लोकमित्र

प्रतापगढ़ | गुरुवार | 22 सितम्बर 2022 | 2

सजल वेदना है महादेवी के काव्य में: प्रोफेसर सरोज सिंह

मुविवि में महादेवी वर्मा के साहित्य में मानवीय संवेदना पर व्याख्यान का आयोजन

इलाहाबाद एक्सप्रेस

महादेवी के काव्य में सजल वेदना का दर्शन : प्रो सरोज सिंह

महादेवी वर्मा के साहित्य में मानवीय संवेदना पर व्याख्यान

इलाहाबाद एक्सप्रेस

न्यायाधीश

समय से पहले 'समय' पर नजर

प्रयागराज, गुरूवार 22 सितम्बर, 2022

सजल वेदना है महादेवी के काव्य में - प्रोफेसर सरोज सिंह

मुविवि में महादेवी वर्मा के साहित्य में मानवीय संवेदना पर व्याख्यान का आयोजन

आनंदी मेल

6 लखनऊ, गुरुवार, 22 सितम्बर 2022 प्रादेशिक

सजल वेदना है महादेवी के काव्य में : प्रो.सरोज सिंह

मुविवि में महादेवी वर्मा के साहित्य में मानवीय संवेदना पर व्याख्यान का आयोजन

पायनियर

RNI NO.UPHIN/2010/36547

महादेवी के काव्य में है सजल वेदनाः प्रो सरोज सिंह

प्रयागराज। महादेवी वर्मा करुणा और वेदना की कवियत्री हैं। उनका संपूर्ण साहित्य काव्य और गद्य में विभक्त है। मानवीयता तो उनके साहित्य में कूट.कूट कर भरी है। गद्य में वह सशक्त भारतीय स्त्री का प्रतिनिधित्व करती हैं तो वहीं उनके काव्य में सजल वेदना का दर्शन होता है। यह बातें सीएमपी पीजी कॉलेज के हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो सरोज सिंह ने बुधवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम में कहीं। प्रो सिंह महादेवी वर्मा के साहित्य में मानवीय संवेदना विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दे रही थीं। उन्होंने कहा कि महादेवी वर्मा छायावाद का प्रमुख स्तंभ रही हैं। उनका जीवन बौद्ध दर्शन से प्रभावित रहा।

परिशिष्ट

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

संख्या : ओ.यू./ [illegible] /2022 दिनांक : [illegible] -09-2022

सूचना

एतद्द्वारा मा. कुलपति जी के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के समस्त निदेशकों/प्रभारियों/शिक्षकों को सूचित किया जाता है कि **दिनाँक 21 सितम्बर, 2022 को अपराह्न 3:00 बजे** मानविकी विद्याशाखा के तत्वावधान में हिन्दी विषय में **'महादेवी वर्मा के साहित्य में मानवीय संवेदना'** विषयक एक व्याख्यान का आयोजन होना सुनिश्चित हुआ है। उक्त व्याख्यान की **मुख्य वक्ता डॉ. सरोज सिंह, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, सी.एम.पी. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, प्रयागराज होंगी।** कार्यक्रम की **अध्यक्षता मा. कुलपति जी** करेंगी। कृपया तदनुसार उक्त व्याख्यान में प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें। कार्यक्रम का आयोजन तिलक शास्त्रार्थ सभागार में सुनिश्चित है।

प्रो.(पी.पी. दुबे)
कुलसचिव

पृ.संख्या : ओ.यू./ [illegible] /2022 तद्दिनाँक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. विश्वविद्यालय की समस्त विद्याशाखाओं के निदेशकों/प्रभारियों को इस आशय से प्रेषित कि वे उक्त कार्यक्रम में अपनी विद्याशाखा के शिक्षकों की उक्तानुसार प्रतिभागिता सुनिश्चित कराने का कष्ट करें।
2. प्रो. रुचि बाजपेई, आचार्य, मानविकी विद्याशाखा/आयोजन सचिव, सम्बन्धित व्याख्यान, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
3. प्रो. सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा/संयोजक सम्बन्धित व्याख्यान, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
4. वित्त अधिकारी, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
5. कुलपति जी के निजी सचिव को माननीय कुलपति जी के सादर सूचनार्थ।

प्रो.(पी.पी. दुबे)
कुलसचिव

उ.प्र.राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

व्याख्यान कार्यक्रम

'महादेवी वर्मा के साहित्य में मानवीय संवेदना'

दिनांक : 21 सितम्बर, 2022 समय : अपराह्न 03:00 बजे

1) Rajesh Kumar Gautam Asst. Professor [signature]
2) Parvind Kumar Verma Asst. prof. [signature]
3) DR. RAVINDRA NATH SINGH Asst Prof [signature]
4- Prof. Santosha Kumar Prof. SOSS [signature]
5. प्रोफेसर विनोद कुमार गुप्त आचार्य संस्कृत [signature]
6- Dr. Shivendra Pratap Singh Asst. Prof. [signature]
7. डॉ अतुल कुमार मिश्र सहायक आचार्य [signature]
8- डा० अनिल कुमार यादव सहायक आचार्य Anil Kumar Yadav
9. डॉ दीपशिखा श्रीवास्तव Assit. Prof. (Political science) SOSS [signature]
10. डॉ० स्मिता अग्रवाल Assit. Profe. [signature]
11. Ruchi Pandey Ph.D-student (हिन्दी) Ruchi Pandey
12. ज्योति गुप्ता Ph.D. student (हिन्दी साहित्य) ज्योति गुप्ता
13. Dr Sadhana Srivastava Sourn SM.Cm (Ass Prof) Sadhana
14. Dr Abdul Rahman Asst Prof [signature]
15. Dr. Ananda Nand Tripathi Associate Professor (SOSS) — Ananda
16. Dr Deepti Srivastava Assistant Professor [signature]
17. Dr. Satish Chandra Jaisal Assit. Prof. JMC [signature]
18. Sushma Singh Assist. Prof. [signature]
19. Dr. C.K. Singh Asst. Prof. [signature]

[signature] 21.09.2022
(प्रो० रुचि बाजपेई) आयोजन सचिव